वार्तालाप-510 सातशंख (उड़ीसा) पार्ट-2 दिनांक-06.02.08
Disc.CD No.510, dated 6.2.08 at Saatshankh (Orissa) Part-2
Extracts-Part-1

समयः 00.52-07.00

जिज्ञासुः 2004 के बाद, जो पुरुषार्थ करेगा 2000 के बाद।

बाबा- 2000 के बाद?

जिज्ञासु- 2004 के बाद उसका कोई वैल्यू नहीं होगा।

बाबाः तो काहे कि लिए पुरुषार्थ कर रहे हो? फालतू इधर आ गये। बोलो, और ये जब तक जीना है तब तक पीना है ये कहाँ चला गया वाक्य? ये बोला है कि नहीं जब तक जीना है तब तक पीना है? नहीं बोला?

जिज्ञासु- बोला है।

बाबा- किसके लिए?

जिज्ञासु- ब्राह्मण बच्चों के लिए।

बाबा- उन ब्राह्मणों के लिए बोला है जो देहभान में ही जीते है। जब तक देहभान में जिंदा है तब तक उनको क्या करना है? ज्ञानामृत पीना ही पीना है। दूसरा कोई उपाय नहीं। और?

Time: 00.52-07.00
Student: The one who makes spiritual efforts after 2004, after 2000.
Baba: After 2000?
Student: After 2004, it will not have any value.
Baba: So, why are you making spiritual efforts? You have come here without any reason. Speak up. And what about the sentence, 'we have to drink (the nectar of knowledge) until we are alive'? Has it been said or not, we have to drink (the nectar of knowledge) until we are alive? Has it not been told?
Student: It has been told.
Baba: For whom?
Student: For Brahmin children.
Baba: It has been said for those Brahmins who live only in body consciousness. As long as they are alive in body consciousness, what do they have to do? They have to drink the nectar of knowledge. There is no other way. Anything else?

जिज्ञासु- मुरली में बोला है 2004 तक अमृतवेला रहेगा।

बाबा- 2004 तक अमृतवेला रहेगा?

जिज्ञासु- 2004 के बाद दिन हो जायेगा इसलिए पुरूषार्थ में जो करेंगे वो धीमा ही होगा।

बाबा- अच्छा, 76 के बाद दिन नहीं हो गया? बाबा ने तो बोला था मुरली में 10 साल के बाद नई दुनिया आ जावेगी और पुरानी दुनिया खलास हो जायेगी। तो हो गई क्या?

जिज्ञासु- नहीं।

बाबा- सबके लिए हो गई या कोई के लिए हो गई? बोलो।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- कोई के लिए।

बाबा- कोई के लिए हो गई। ऐसे ही 2004 के आसपास ही बोला तुम बच्चों को नई दुनिया की सौगात बापदादा ने दी है। तो जिन बच्चों को सौगात नई दुनिया की दी है उनके लिए ये बात लागू होती है या सबके लिए लागू होती है?

जिज्ञासु- उनके लिए लागू होगी।

बाबा- उनके लिए लागू होगी। उनके लिए दिन क्या और रात क्या; सेवा से उन्हें फुर्सत नहीं मिलेगी। फुर्सत लेना चाहे तो भी फुर्सत नहीं मिलेगी। और?

Student: It has been said in the Murlis that Amritvela will continue up until 2004.
Baba: Will the *Amritvela* continue up until 2004?
Student: It will be day after 2004. This is why whatever we do in *purusharth* will be slow only.
Baba: OK, is it not day after 76? Baba had said in a Murli that the new world will arrive after 10 years. And the old world will end. So, has it happened?
Student: No.
Baba: Has it happened for everyone or for some? Speak up.
Student: For some.
Baba: It has happened for some. Similarly, it has been said around [the year] 2004 that Bapdada has given the gift of new world for you children. So, is this applicable to the children who have been given the gift of new world or to everyone?
Student: It is applicable to them.
Baba: It is applicable only to them. For them day and night are one and the same. They will not become free from service. Even if they wish to become free, they will not be able to become free. Anything else?

जिज्ञासु- बाबा देवियों का पूजा होती है आसुरी संप्रदाय। इसका अर्थ क्या?

बाबा- देवियों की पूजा होती है?

जिज्ञासु- आसुरी संप्रदाय।

बाबा- अच्छा, देवी के पूजा करनेवाले हैं आसुरी संप्रदाय। माना जो सिंगल देवी की पूजा करते हैं, देवता को छोड़ देते हैं, क्या? जब देवी का जागरण करते हैं तो घड़ी-2 आवाज लगाते हैं जय माता दी। सारी रात आवाज लगाती हैं जय माता दी-2, पिता दी कहाँ चला गया? माता दी विधवा है क्या? भारतवर्ष में विधवाओं की मान्यता है क्या? नहीं। लेकिन भक्तों को वो बापूजी नहीं दिखाई देता। क्या दिखाई देती है? जय माता दी। रावण भी उन्ही के लिस्ट में था। रावण किसकी पूजा करता था? देवी की भी पूजा करता था। तो सिंगल की पूजा करना वो अच्छा नहीं है। द्वापरयुग में पहले प्रवृत्तिमार्ग के देवताओं की पूजा हुई है या निवृत्तिमार्ग के देवी-देवताओं की पूजा हुई है? पहले प्रवृत्तिमार्ग के देवी-देवताओं की पूजा हुई है। देवी-देवतायें होते ही हैं पवित्र और पवित्र-प्रवृत्तिमार्ग वाले, जो निवृत्ति में होते हैं देवी-देवता होते ही नहीं। और?

Student: Baba, the worship of *devis* (female deities) is called demoniac community. What is meant by this?
Baba: Worship of *devis*?
Student: Demoniac community.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: OK, (you mean to say) those who worship *devis* are demoniac community. It means that those who worship single *devi*, those who leave the male deity; what? When they keep night vigil (*jaagaran*) for a female deity (*devi jagran*), they keep shouting repeatedly – *Jai mata di* (Victory to the mother). They keep shouting throughout the night – *jai mata di, jai mata di*. Where did the father (*pita*) go? Is the mother a widow? Are widows held in high regard in India? No. But that father is not visible to the devotees. Who is visible to them? *Jai mata di* (i.e. the mother). Ravan was also in their list. Whom did Ravan worship? He used to worship the *devi* as well. So, it is not good to worship a single (female deity). In the Copper Age, first of all were the deities belonging to the path of household worshipped or were the deities of the path of renunciation worshipped? First the deities of the path of household were worshipped. Deities are pure and follow the path of pure household. Those who renounce (the household) are not deities at all. Anything else?

जिज्ञासु- बाबा शंकर को प्रजापिता नहीं कहेंगे।

बाबा- शंकर माना मिक्स। उसमें तीन आत्माओं का सम्मिश्रण है, एक शरीर में तीन आत्मायें पार्ट बजानेवाली हैं - ब्रह्मा की सोल, शिव की सोल और राम की सोल। तीनों का जब पार्ट एक शरीर में मिक्स होता है तब कहा जाता है शंकर। और जब सिर्फ साकारी पार्ट बजता है तब कहेंगे प्रजापिता माना रामवाली आत्मा। प्रजापिता पतित को कहा जाता है या पावन को कहा जाता है?

जिज्ञासु- पतित।

बाबा- पतित को कहा जाता है प्रजापिता। पाँच सौ, सात सौ करोड़ मनुष्य सृष्टि का पिता। आखरी मनुष्य आत्मा जब तक इस सृष्टि पर मौजूद है तब तक प्रजापिता को भी इस सृष्टि पर साकार तन से मौजूद रहना पडे। साकारी शरीर से साकारी पार्ट भी बजाते रहना पड़े।

Student: Baba, Shankar will not be called Prajapita.

Baba: Shankar means mix. There is a mixture of three souls in him. There are three souls playing a part in one body: Brahma's soul, Shiv's soul and Ram's soul. When the part of all the three (souls) mixes in one body then it is called Shankar. And when only the corporeal part is played it is called Prajapita, i.e. the soul of Ram. Is the sinful one called Prajapita or the pure one?

Student: Sinful one.

Baba: The sinful one is called Prajapita. He is the father of the human world consisting of five billion, seven billion [people]. Until the last human soul is present in this world, Prajapita will have to be present in this world in a corporeal body. He will also have to play a corporeal part through the corporeal body.

समयः 07.05-11.52

जिज्ञासुः दोनों झाड़ू खड़ी है।

बाबाः दोनों झाड़ू नहीं खड़ी है, प्रकृति माता दोनों हाथ में झाड़ू लेकर खड़ी है। झाड़ू अपने-आप कैसे खड़े रहेंगे? ये उस समय की बात बताई जबकि कुमारका दादी ने अपना शरीर नहीं छोड़ा था। लोकलाज के बंधन में बंधी हुई थी ब्राह्मण आत्मा। अंदर से सच्चाई को जानते हुए भी सच्चाई को उगल नहीं सकती थी। जब साकार शरीर छोड़ दिया तब संदेश में बताया गया कि

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

दादी ने प्रकृति से हाथ मिलाए लिया। माना प्रकृति माता को अपना सहयोगी बनाए लिया। प्रकृति पाँच तत्वों को कहा जाता है और माया पाँच विकारों को कहा जाता हैं। रावण के कितने शीश?

जिज्ञासु- 10
Time: 07.05-11.52
Student: Both brooms are standing.
Baba: Not 'both brooms are standing', Mother Nature is standing with brooms in both the hands. How can brooms stand on their own? It is about the time when Kumarka Dadi had not left her body. The Brahmin soul was bound by the bondage of public honour (*loklaaj*). Despite knowing truth from within, she could not speak the truth. When she left her corporeal body, it was mentioned in a (trance) message that Dadi has joined hands with nature. It means that she has made Mother Nature her helper. The five elements are called Nature and the five vices are called Maya. How many heads did Ravan have?
Students: Ten.

बाबा- कौन-कौनसे? पाँच विकार माया रावण के और प्रकृति के पाँच तत्व, जड़तत्व। तो जो प्रकृति माता है वो झाड़ू लेकर के तो पहले से ही खड़ी हुई है, तैयार खड़ी है। कब झाड़ू लगाऊं और कीड़े-मकोड़े की सफाई करूँ इस यज्ञ से। ये ब्राह्मणों का परिवार है ना। इस ब्राह्मणों के परिवार में ब्राह्मण सो क्या बननेवाले है? ब्राह्मण सो देवता बननेवाले हैं और देवता बनने से पहले लक्ष्मी का आवाहन होना है। तो भारतवर्ष में लक्ष्मी के आवाहन की यादगार दिन मनाया जाता है, कौनसा? दीपावली। वो प्रैक्टिकल मनाया गया है या ऐसे ही मनाया जा रहा है? प्रैक्टिकल मनाया गया है। दीपावली होने से पहले लक्ष्मी का आवाहन किया गया है और लक्ष्मी का आवाहन तब ही होता है जब घर-परिवार में से कीड़े-मकोड़ों की सफाई हो जाये; नहीं तो ये कीड़े-मकोड़े, बिच्छू-टिंड़न क्या करते रहेंगे? गंद फैलाते रहेंगे मकान में। इसलिए प्रकृति पहले से ही झाड़ू ले के खड़ी है, दोंनो हाथों में। राईड़ हैण्ड़ में भी और लेफ्ट हैण्ड़ में भी। इतंजार कर रही थी; अब तो उसने हाथ दे दिया, किसको? कुमारका दादी को हाथ दे दिया मिलाने के लिए। अब माया और प्रकृति दोंनो इकट्ठे वार करेंगे। तो अभी तक तो माया की लड़ाई थी और अब, अब माया और प्रकृति दोंनो मिलकर के लड़ाई लड़ेंगे। जो प्रकृतिजीत होंगे वो विजयी रहेंगे और जिन्होंने माया और प्रकृति को हार खिलाना अभी तक नहीं सीखा है, चांस देना सीखा है उनको कीड़े-मकौडे के तरह झाड़ू की मार लगेगी। ज्ञान ध्यान सब भूल जायेंगे।
Baba: Which are they? Five vices of Maya Ravan and five elements, the non-living elements of Nature. So, the Mother Nature is already standing with brooms in her hands; she is standing ready. [She is thinking] when shall I broom and clean the insects and worms from this *yagya.* This is a family of Brahmins, isn't it? In this family of Brahmins what are we going to change from Brahmins to? We are going to be transformed from Brahmins to deities. And before becoming deities, Lakshmi is to be welcomed. So, in the Indian region, a day is celebrated in commemoration of welcoming Lakshmi; which day? *Deepawali* (the festival of lights). Was it celebrated practically or is it being celebrated just like that? It has been celebrated practically. Before Deepawali, Lakshmi was invoked and Lakshmi comes only when the home and family has been rid of all the insects and worms. Otherwise, what will these insects and worms, the

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

scorpions and spiders do? They will keep spreading dirt in the house. This is why Mother Nature is already standing with brooms in her hands; in both hands; in the right hand as well as the left hand. She was waiting; and now she has given her hand; to whom? She gave her hand to Kumarka Dadi, to join hands with her. Now Maya and nature will attack jointly. So far the war was limited to Maya and now Maya as well as nature will fight together. Those who have conquered nature will be victorious and those who have not learnt to defeat Maya and nature, those who have learnt to give them a chance, will be beaten with a broom like insects and worms. They will forget everything, knowledge, trance …… (to be continued)

Extracts-Part-2

समयः 12.00-16.19

जिज्ञासुः बाबा, आप एक कैसट में बताया है एडवान्स नॉलेज का कन्या-मातायें जितना राज करेगा, तो बेसिक नॉलेज का कन्या-मातायें इतना कर नहीं सकती।

बाबाः क्या करेंगे?

जिज्ञासु- एडवान्स नॉलेज की कन्या-मातायें जितना राज करेंगे।

बाबा- रास?

जिज्ञासु- राज।

बाबा- राज्य। तो ठीक है।

जिज्ञासु- कब शुरू होगा?

Time: 12.00-16.19
Student: Baba, you have said in a cassette that the virgins and mothers of basic knowledge will not be able to rule as much as the virgins and mothers of advance knowledge.
Baba: What will they do?
Student: The extent to which the virgins and mothers of advance knowledge will rule (*raaj*).
Baba: *Raas* (dance)?
Student: *Raaj* (rule).
Baba: *Rajya* (rule). It is correct.
Student: When will it start?

बाबा- तब शुरू होगा जब बाप गुप्त हो जायेगा। जैसे ब्रह्मा बाबा गुप्त हो गये तो बेसिक नॉलेज की कन्याओं-माताओं ने राज्य किया कि नहीं किया? किया। ऐसे ही एड़वान्स में भी बाप बच्चों को चांस देगा। नहीं तो कोई-2 के अंदर ये हुमस रहती है कि हम भी... कन्ट्रोलिंग पॉवर हमारे मुठ्ठी में भी आनी चाहिए, हमारी शूटिंग भी होनी चाहिए राजाई की। जैसे इंचार्ज ब्रह्माकुमार-कुमारियाँ कोई होते हैं बहुत कन्ट्रोल करते हैं, क्या? सारी राजाई अपनी मुठ्ठी में ले लेते हैं। तो ऐसे बहुतों के अंदर ये हुमस रहती है, इच्छा रहती है कि हम भी पूरे परिवार को कन्ट्रोल करें और बाप तो सबकी इच्छायें पूरी करने के लिए आये हैं। इच्छायें सबकी पूरी होंगी। ये बात अलग है कि कौन कैसा शासन चलाता है। दीदी-दादियों ने भी शासन चलाया। ब्राह्मण परिवार में शासन चलाना चाहिए या प्यार देना चाहिए?

जिज्ञासु- प्यार देना चाहिए।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: It will start when the Father becomes hidden. For example when Brahma Baba became hidden, did the virgins and mothers of basic knowledge rule or not? They did. Similarly, the Father will give a chance to the children in advance (party) also. Otherwise, some [children] have the excitement in them that they too … they should get the controlling power too. They too should perform the shooting of kingship. For example, there are some *in-charge*[1] Brahmakumar-kumaris who exercise a lot of control; what? They take the entire kingship in their hands. So, similarly many have this excitement, the desire in them that they too should rule the entire family, and the Father certainly has come to fulfill the desires of everyone. Everybody's desires will be fulfilled. It is another issue who rules in what way. Didi-Dadis also ruled. Should you rule or give love in the Brahmin family?
Student: You should give love.

बाबा- बाप तो आये हैं कहते हैं बच्चे आय एम योर मोस्ट ओबीडियन्ट सर्वेन्ट। बाप तो सेवाधारी बनकर के आते हैं। बच्चों के सेवक बनते हैं और बच्चों के अंदर ये इच्छा है कि हम कन्ट्रोल करें, शासन करें तो ये इच्छा भी पूरी होनी चाहिए या नहीं होनी चाहिए?
जिज्ञासु- होनी चाहिए।
बाबा- जो लक्ष्मी जैसा पार्ट बजानेवाली होंगी वो प्यार के आधार पर शासन करेंगी या दीदी, दादि, दादाओं की तरह शासन करेंगी? वो प्यार के आधार पर शासन करेंगी और महाकाली के रूप में जब पार्ट बजाना होगा तो कैसा शासन करेंगी? संकल्पों का खून बहाती जायेंगी, शासन करती जायेंगी।
जिज्ञासु- बाबा राज करेगा खालसा मुरली में बोला है, खालिस तो बाप के ड़ायरेक्शन पर ही राज्य करेगा ना।
बाबा- अभी तो बताया। कोई की इच्छा है, ब्राह्मण बनने के बावजूद भी इच्छा है तो संगमयुग में उसकी इच्छा की पूर्ति होनी चाहिए या नहीं चाहिए? होनी चाहिए। तो होती है। कोई की इच्छायें लक्ष्मी पूरी करती है और कोई की इच्छायें जगदम्बा पूरी करती है।
Baba: The Father has come; He says, "children, I am your most obedient servant". The Father certainly comes as a *sevadhari*[2]. He becomes the children's servant and the children have the desire that they should control, they should rule; so, should this desire also be fulfilled or not?
Student: It should be.
Baba: Will the ones who play a part like Lakshmi rule on the basis of love or will they rule like the Didi, Dadi and Dadas? They will rule on the basis of love and when they have to play a part in the form of Mahakali, how will they rule? They will go on shedding the [others'] blood of thoughts and go on ruling.
Student: Baba, it has been said in the murli *raaj karega khaalsa, khaalis* (the pure ones) will rule only on the basis of the Father's directions, will they not?
Baba: It was said just now, if someone has a desire; despite becoming a Brahmin, if someone has a desire (to rule), should his desire be fulfilled in the Confluence Age or not? It should be. So, it is (fulfilled). The desires of some are fulfilled by Lakshmi and the desires of some [others] are fulfilled by Jagdamba.

[1] the sister/brother in charge of a center
[2] the one who serves

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 16.35-21.50

जिज्ञासुः शंकरजी के मंदिर में जो बैल रहता है वो बैल कौन है?

बाबाः हाँ, शंकर जी के मंदिर में बैल रहता है। अच्छा, जो पुराने-2 मंदिर है, वो शिव मंदिर हैं और शिव मंदिरों में शंकर की भी मूर्ति होती है इसलिए उनको शंकर जी का मंदिर कहते हैं। लेकिन शिव मंदिर में जो बैल दिखाया जाता है वो नाली की तरफ दिखाया जाता है या इधर-उधर दिखाया जाता है?

जिज्ञासु- नाली के.....।

बाबा- माना जिसका मुँह नाली के तरफ हो, वो बैल है। बुद्धि कैसी हो गई?

जिज्ञासु- कचड़ा की तरह, मंदबुद्धि।

बाबा- हाँ, बुद्धि ऐसी हो गई जानवरों जैसी। जैसे जानवर को जानवरियत ही याद रहती है। मनुष्य होगा तो मनन-चिंतन-मंथन करेगा, जानवर मनन-चिंतन-मंथन करेगा क्या?

जिज्ञासु- नहीं।

Time: 16.35-21.50

Student: Who is the bull that is shown in the temple of Shankarji?

Baba: Yes, there is a bull in the temple of Shankarji. *Accha*, the old temples that there are, they are the temples of Shiv; there is also an idol of Shankar in the temples of Shiv; this is why it is called Shankarji's temple. But is the bull that is depicted in the temple of Shiv shown to be [sitting] facing the drain (*naali*) or is it shown somewhere else, here and there?

Student: Towards the drain…..

Baba: It means that the one, whose face is towards the drain, is the bull. How did its intellect become?

Student: Like garbage. Dull-headed.

Baba: Yes, the intellect became like that of animals. Just as animals remember only their animal instincts. If he is a human being, he will think and churn; will an animal think and churn?

Student: No.

बाबा- और उसको रग लगेगी तो किस चीज़ की रग लगेगी? कहाँ मुँह होगा? उसका मुँह नाली के तरफ होगा। इसलिए दिखाया है शिव मंदिर में बाप भी बैठा हुआ है, कौन? शिव मंदिर में बाप कहाँ बैठा हुआ है?

जिज्ञासु- बीच में।

बाबा- कौन है बाप?

जिज्ञासु- निराकार शिवलिंग.....।

बाबा- शिवलिंग। वो लिंग आकार प्रजापिता की निशानी है और जो जलाधारी रखी हुई है जिसमें लिंग रखा है वो माता की निशानी है। और कलियुग अंत में या द्वापर में भी जो कृष्ण बच्चा है वो माता का पति बनकर के बैठ जाता है। गीता माता का क्या बन जाता है? पति बन जाता है। तो उसकी बुद्धि कहाँ होगी?

जिज्ञासु- नाली के तरफ।

बाबा- अत्याचार हो गया। इसलिए भक्तों ने क्या-2 बैठ बनाया है। शिव ज्योतिबिंदु है, वो

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

निराकार है, एवरप्योर है वो जानवर में प्रवेश करेगा या मनुष्य में प्रवेश करेगा? मनुष्यों को सुधारने के लिए आयेगा या जानवर बुद्धियों को सुधारने के लिए आयेगा?

जिज्ञासु- मनुष्यों को।

Baba: And if he has obstinacy for something, what will it be? In which direction will his face be? His face will be towards the drain. This is why it has been shown in the temple of Shiv that the Father is sitting as well; who? Where is the Father sitting in the temple of Shiv?
Student: In the center.
Baba: Who is the Father?
Student: Incorporeal *Shivling*….
Baba: *Shivling*. That shape of *ling* (phallus) is a sign of Prajapita and the *jalaadhaari* (a circular platform with a drain at one end) in which the *ling* is placed is a sign of the mother. And in the end of the Iron Age or in the Copper Age as well, the child Krishna becomes the husband of the mother. What relationship does he develop with the mother Gita? He becomes the husband. So, where will his intellect be?
Student: Towards the drain.
Baba: That is an atrocity. This is why what have the devotees depicted. Shiv is a point of light, He is incorporeal, He is ever pure. Will He enter an animal or a human being? Will He come to reform the human beings or to reform those with an animal-like intellect?
Student: The human beings.

बाबा- मनुष्य को सुधारता है शिव। मनुष्य मनन-चिंतन-मंथन करनेवाले को कहा जाता है और जो मनन-चिंतन-मंथन ही नहीं कर सके वो मनुष्य नहीं, क्या है? जानवर। शिव का प्रवेश ब्रह्मा में भी हुआ और शिव का प्रवेश शंकर में भी होता है। किसने मनन-चिंतन-मंथन किया और किसने नहीं किया?

जिज्ञासु- शंकर ने मनन-चिंतन-मंथन किया।

बाबा- शंकर का मनन-चिंतन-मंथन है और ब्रह्मा का मनन-चिंतन-मंथन नहीं है। जो शिव ने बोल दिया बस उतना ही रिपीट कर दिया, सुन लिया और सुनाय दिया। सुनने-सुनाने तक सीमित रहा। उनसे ज्यादा मनन-चिंतन-मंथन तो ओमराधे मम्मा ने कर के दिखाया। तो बताओ बैल किसकी निशानी है?

जिज्ञासु- ब्रह्मा की।

बाबा- शिव बैल पर सवारी करेगा या मनन-चिंतन-मंथन करनेवाले मनुष्य में सवारी करेगा?

जिज्ञासु- मनुष्य में।

बाबा- शिव मनुष्य पर सवारी करता है और मनुष्य जब तक अज्ञानी है, पुरूषार्थी है तब तक जानवर बुद्धियों को कन्ट्रोल करने का प्रयास करेगा। इसलिए कहा जाता है नेपाल में पशुपतिनाथ। किसका नाथ?

जिज्ञासु- पशुपतिनाथ।

बाबा- पशुपतिनाथ।

Baba: Shiv reforms the human beings. The one who thinks and churns is called a human being and the one who cannot think and churn at all is not a human being; what is he? An animal. Shiv entered Brahma as well as Shankar. Who thought and churned and who did not?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: Shankar thought and churned.
Baba: Shankar thinks and churns and Brahma does not think and churn. He just repeated whatever Shiv said; He just heard and narrated it. He limited himself to listening and narrating. Om Radhey Mamma thought and churned more than him. So, tell me, what does the bull stand for?
Student: Brahma.
Baba: Will Shiv ride on a bull or will he ride on a human being who thinks and churns?
Student: On a human being.
Baba: Shiv rides on a human being and as long as a human being is ignorant, as long as he is a *purusarthi* (the one who makes spiritual effort), he will try to control those with an animal-like intellect. This is why they say *Pashupatinath* in Nepal. Whose *naath* (lord)?
Student: *Pashupatinath* (lord of the animals).
Baba: *Pashupatinath*.

समयः 24.10-26.45

जिज्ञासुः बाबा अज्ञानी आत्मा सी.डी. में जो देखते हैं, क्लास सुनते हैं वो स्वर्ग में आयेगा?
बाबाः सी.डी. में क्लास सुनते हैं तो स्वर्ग में आयेंगे ऐसा तो नहीं बोला। ये बोला है , मेरे मुख से दो अक्षर भी सुना तो स्वर्ग में क्यों नहीं आवेगा, क्या? क्या बोला? मेरे मुख से, इसके मुख से नहीं, शन- मुख से नहीं मेरे मुख से। कौन हुआ मेरे मुख? जो मुकर्रर रथ है वो मेरा मुख है। जो टेम्परेरी रथ है वो मेरा, मेरा नहीं है। अपनी चीज़ को उलट-सुलट चाहे जैसे काम में युज कर लो लेकिन पराई चीज़ को ठीक से यूज करना पड़ता है। तो ब्रह्मा का तन हुआ टेम्परेरी रथ और एक है मुकर्रर रथ। उसके लिए बोला कि मेरे मुख से दो अक्षर भी सुना तो स्वर्ग में क्यों नहीं आवेगा। माना जरूर आवेगा। लेकिन सुने ध्यान देकर। एक कान से सुन के दूसरे कान से निकाल न दे। सी.ड़ी.में देखने की बात नहीं है, सी.ड़ी. दृष्टि नहीं देती है, सी.ड़ी.में वायबेशन नहीं मिलता है; सी.ड़ी.सिर्फ आवाज सुनने का साधन है और एक्टिंग देखने का साधन है। बाकी वायब्रेशन की ताकत नहीं मिलेगी और सी.ड़ी.के चित्र से दृष्टि की ताकत भी नहीं मिलेगी।

Time: 24.10-26.45
Student: Baba, will the ignorant souls, who see (Baba) in CDs or listen to the classes, come in heaven?
Baba: It has not been said that if someone listens to classes in CDs they will come in heaven. It has been said, 'if someone hears just two words from My mouth, why will He not come to heaven'; what? What has been said? Through **My** mouth; not through the mouth of this one; not through six heads (*shan-mukh*); through **My** mouth. Which is **My** mouth? The permanent chariot is My mouth. The temporary chariot is not mine. You can use your own thing in any manner, but something belonging to someone else has to be used carefully. So, Brahma's body is the temporary chariot and there is one permanent chariot. For that it has been said 'if someone hears just two words from My mouth, why will he not come to heaven'? It means that he will certainly come. But he should listen carefully. He should not listen from one ear and leave it through the other. It is not about watching (Baba) in the CDs; CDs don't give *drishti*; there are no vibrations in the CD; CD is just a means to listen to the voice and to watch the acting. But you will not get the power of vibrations and you will not get the power of *drishti* from the picture in the CDs either…. (to be continued)

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Extracts-Part-3

समयः 26.50-32.20

जिज्ञासुः बाबा 70 साल बीत गया..

बाबा- क्या बीत गया?

जिज्ञासु- 70 साल बीत गया।

बाबा- 70 साल बीत गया। हाँ।

जिज्ञासु- मगर उड़ीसा में दिल्ली, फर्रूखाबाद और कम्पिल की तरह एक मधुबन नहीं हो पाया।

बाबाः ये कमजोरी किसकी है - ये कमजोरी किसकी है? फर्रूखाबाद में पहले-2 मधुबन खुल गया एड़वान्स पार्टी का और उड़ीसा में 70 साल के बाद भी अभी तक नहीं खुला। ये कमजोरी कहाँ से आई?

जिज्ञासु- उड़ीसा की इम्प्योरिटी।

बाबा- कहते हैं जहाँ सुमति तहाँ सम्पत्ति नाना और जहाँ कुमति तहाँ विपती निदाना। अगर कोई को इस जीवन में मोहिया साधन मिलते हैं, बहुत साधन मिल रहे हैं, सुख-साधन-सम्पत्ति ज्यादा मिल रही है तो उससे क्या साबित होता है? कोई इस ब्राह्मण जीवन में बहुत स्वतंत्र हैं, कोई प्रकार की अधीनता नहीं है, पुरूषार्थ करने के लिए सारे रास्ते खुले हुए हैं तो ये प्राप्ति उन्होंने कहाँ से की?

जिज्ञासु- जन्मजन्मान्तर का प्योरिटी ...

Time: 26.50-32.20
Student: Baba, 70 years have passed....
Baba: What has passed?
Student: 70 years have passed.
Baba: 70 years have passed. Yes.
Student: But still there is not even a single *minimadhuban* in Orissa like the ones in Delhi, Farrukhabad and Kampil.
Baba: Whose weakness is it? Whose weakness is it? A *minimadhuban* of the Advance Party was first of all opened in Farrukhabad and it has not been opened in Orissa even after 70 years. Where did this weakness come from?
Student: Impurity of Orissa.
Baba: It is said: *Jahaan sumati tahaan sampatti nana aur jahaan kumati tahaan vipati nidana* (where there is wisdom there is wealth and where there is lack of wisdom there are a lot of difficulties). If someone gets abundant facilities, he gets many resources, many pleasures, facilities and property in life, what does it prove? Someone is very free in this Brahmin life; he is not under any kind of subordination; all the ways for making *purusharth* are open for him; where did he make this attainment?
Student: He has purity of many births.....

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा- पूर्वजन्मों में ऐसा कोई कर्म किया है जो इस ब्राह्मण जीवन में स्वतंत्र बना है। कोई प्रकार की अधीनता नहीं है। सब प्रकार के साधन मिल रहे हैं और जिनको नहीं मिल रहे हैं तो गलती किसी दूसरे की है क्या? दूसरे की गलती है?

जिज्ञासु- नहीं।

बाबा- नहीं। स्वंय की गलती है। और उडीसा में भी मिनी मधुबन भले नहीं है लेकिन कोई ऐसी आत्मायें है जो मिनी मधुबन का 24 घंटा लाभ ले रही हैं? ले रही हैं कि नहीं?

जिज्ञासु- ले रहे हैं।

बाबा- कौन? कौन ले रही हैं? अरे, बोलो।

जिज्ञासु- बच्चे ले रहे हैं ना।

बाबा- कौन? कौनसे बच्चे हैं वो? उड़ीसा के वो कौनसे बच्चे हैं जो 24 घंटे मिनी मधुबन का लाभ रहे हैं? नहीं ध्यान में आता? अगर वो लाभ ले रहे हैं तो उनके पूर्वजन्मों का कर्मों का हिसाब-किताब है या कोई थोपा गया?

जिज्ञासु- पूर्वजन्मों का।

Baba: He has performed such actions in the past births because of which he has become free in this Brahmin life. There is no kind of subordination. He is getting all kinds of facilities and if some are not getting (such facilities), is it the mistake of someone else? Is it the mistake of anyone else?

Student: No.

Baba: No. It is his own mistake. Moreover, although there are no *minimadhubans* in Orissa, are there any such souls who are taking the benefit of *minimadhuban* 24 hours a day? Are they taking or not?

Student: They are.

Baba: Who? Who are taking (the benefit)? Arey, speak up.

Student: Children are taking (benefit).

Baba: Who? Which children are they? Which children from Orissa are taking the benefit of *minimadhuban* 24 hours a day? Are you not able to recollect? If they are taking the benefit, is it due to the karmic account of their past births or has it been imposed on them?

Student: (Karmic account of) past births.

बाबा- पूर्वजन्मों का हिसाब-किताब है कि उड़ीसा में पैदा भी हुए, उडीसा में पैदा होते हुए भी वहाँ मिनी मधुबन नहीं हैं तो भी सरेन्ड़र हो के कहाँ पहुँच गये? मिनी मधुबन में पहुँच गये। लाभ ले रहे हैं। तो कारण कहाँ से आता है? कोई भी प्रकार की प्राप्ति और अप्राप्ति का कारण आता कहाँ से है?

जिज्ञासु- अपने कर्मों से।

बाबा- अपने कर्मों से ही सब आता है। बाबा को ये कहना क्यों पड़ा कि उड़ीसा की आत्मायें ऐसा पुरूषार्थ करेंगी, ऐसा पुरूषार्थ में ऊँचा उडेगी कि कोई पकड़ न सके। क्या मतलब हुआ? इसका मतलब ये हुआ कि उड़ीसा में ऐसे लोग भी हैं जो कन्या-मातायें पुरूषार्थ करती हैं ऊँचा उठने का और वो उन्हें पकड़ लेते हैं और नीचे गिरा देते हैं। ऐसों की भरमार है; इसलिए मिनी मधुबन नहीं खुल पाया। ऐसे तो नहीं कहेंगे कि उड़ीसा वालों के लिए मिनी मधुबन नहीं है, कलकत्ता है

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

तो।

जिज्ञासु- है।

बाबा- कलकत्ता है। ऐसे यू.पी.में भी बहुत से स्थान ऐसे हैं जहाँ से मिनी मधुबन तक पहुंचने के लिए 10-12 घंटे लग जाते हैं।

Baba: It is a karmic account of the past births that despite being born in Orissa, despite there being no *minimadhuban* in Orissa, where did they reach after surrendering? They reached *minimadhuban*. They are being benefited. So, what is the reason? What is the reason for any kind of attainment or non-attainment?
Student: One's own actions.
Baba: Everything comes from one's own actions. Why was it necessary for Baba to say that the souls of Orissa will make such *purusharth*, they will fly so high in making *purusharth* that nobody can catch them (reach that height). What does it mean? It means that there are such people in Orissa too that when virgins and mothers make *purusharth* to rise high they (i.e. the brothers) catch them and bring their downfall. There is an abundance of such people also; this is why it has not been possible to open a *minimadhuban*. It cannot be said that there is no *minimadhuban* for the people of Orissa; there is (a *minimadhuban* at) Calcutta.
Student: There is.
Baba: There is Calcutta. As such, there are many places in UP too where it takes 10-12 hours to reach the *minimadhuban*.

समयः 32.35-35.12

जिज्ञासुः बाबा, जहाँ पर गीता पाठशाला खोलते हैं, वहाँ पर युगल होना चाहिए।

बाबाः बिल्कुल होना चाहिए। हमारे जीवन का लक्ष्य क्या है? ब्राह्मण जीवन का लक्ष्य क्या है? अरे, एम आब्जेक्ट क्या है? नर से नारायण, नारी से लक्ष्मी बनना। माना हमारे जीवन का लक्ष्य है प्रवृत्तिमार्ग का निर्वहन करना, पवित्र प्रवृत्तिमार्ग का। तो पवित्र प्रवृत्तिमार्ग को चलानेवाले जो टीचर होना चाहिए वो प्रवृत्तिमार्ग के होना चाहिए या निवृत्तिमार्ग वाले हो? प्रवृत्तिमार्ग वाले ही चाहिए।

जिज्ञासु- बाबा ने बोला है कि अपने घर को लक्ष्मी-नारायण बनाओ।

बाबा- बनाओ।

जिज्ञासु- जिसका युगल नहीं है।

बाबा- जिसका युगल नहीं है। तो इच्छा क्या है? युगल बनाने की इच्छा है? अगर युगल नहीं है और ब्राह्मण बच्चा बन गया। बन गया ना? तो जब ब्राह्मण बच्चा बन गया तो बिना माँ-बाप के बन गया, बिना माँ-बाप के बन गया क्या? प्रवृत्ति का नहीं है? निवृत्तिमार्ग वाला है क्या? प्रवृत्तिमार्ग वाला है। फिर उसके अंदर ये संकल्प क्यों आते है मैं अकेला हूँ।

Time: 32.35-35.12
Student: Baba, there should be a couple wherever a *gitapathshala* is opened.
Baba: There should certainly be (a couple). What is the goal of our life? What is the goal of the Brahmin life? Arey, what is the aim and objective? To transform from a man to Narayan, from a woman to Lakshmi. It means that the aim of our life is to follow the path of household, to follow the pure path of household. So, should the teachers, who propagate the path of pure path of

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

household, belong to the path of household or to the path of renunciation? They should belong to the path of household.
Student: Baba has said that you should make your house like that of Lakshmi-Narayan.
Baba: Make it.
Student: What about the person who does not have a spouse?
Baba: What about the person who does not have a spouse? So, what do you wish? Do you wish to have a spouse? If someone does not have a spouse and has become a Brahmin child. He became, didn't he? So, when he became a Brahmin child, did he become without a mother and father? Does he not belong to the path of household? Does he belong to the path of renunciation? He belongs to the path of household. Then why do such thoughts come to his mind that he is alone?

जिज्ञासु- ये बेहद की बात है ना।
बाबा- बेहद, तुम बेहद में पैदा हुए हो या हद में पैदा हुए हो?
जिज्ञासु- हद में जहाँ पर युगल हैं वो ही सिर्फ गीता पाठ्शाला हो सक्ती है ।.....
बाबा- अरे, तुम कहाँ पैदा हो चुके हो? तुम हद में पैदा हुए या बेहद में पैदा हुए?
जिज्ञासु- हद में।
बाबा- अब तो हद का जन्म तो खत्म हो गया ना। तो ब्राह्मण जन्म मिल गया, ब्राह्मण परिवार के हो गये। तो जो ब्राह्मण परिवार के भाँति हैं, चलो युगल नहीं भी हैं कुमार हैं तो कुमारों के लिए तो बाबा ने कितना बड़ा वरदान दिया है? क्या बोला है? कुमार जो चाहे सो कर सकते हैं। वो गीता पाठशालाओं में ही रूके हुए है। अरे, कुमार तो भगवान के घर के भाँति हैं। उनको कोई बंधन नहीं है जीवन का। कन्याओं को तो फिर भी बंधन होता है। उनका अपना तन ही बंधन है समाज के सामने।
Student: This is in an unlimited sense, isn't it?
Baba: Unlimited; Have you been born in an unlimited sense or in a limited sense?
Student: In a limited sense there can be a Gitapathashala only where there is a couple…
Baba: Arey! Where have you already been born? Have you been born in a limited sense or in an unlimited sense?
Student: In a limited sense.
Baba: Now the birth in a limited sense has ended. So, you have been born as a Brahmin; you have become a part of the Brahmin family. So, the members of the Brahmin family; ok, you may not have a spouse; you may be a *kumar* (unmarried male); Baba has given such a big boon to the *kumars*. What did He say? *Kumars* can do whatever they wish. He (i.e. the student asking the question) is limiting himself to *gitapathshalas.* Arey, *kumars* are the members of God's home. They do not have any bondage in life. Virgins still have bondages (at home). Their own body is bondage in relation to the society.

समयः 35.24-39.58

जिज्ञासुः कोई कह रहा है कि परमधाम, परमधाम है और कोई कह रहा है कि परमधाम नहीं है। ये क्या बात है?

बाबाः हाँ-2, परमधाम माना आत्मा शरीर से मुक्त हो जाये। परमधाम माना क्या? परमधाम माना निर्संकल्पी स्टेज। तो अगर शरीर रहते ही निर्संकल्पी स्टेज बन जाये हमेशा के लिए तो

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

यही इस सृष्टि पर परमधाम नहीं हुआ क्या? हुआ या नहीं हुआ? हुआ। तो कुछ आत्मायें मुक्ति पाती हैं और कुछ आत्मायें जीवनमुक्ति पाती हैं, कुछ आत्मायें मुक्ति और जीवनमुक्ति दोंनो का अनुभव शरीर रहते कर सकती हैं। इसलिए ऐसे नहीं है कि परमधाम कोई ऊपर है या नीचे है या दायें है या बायें है। पृथ्वी तो गोल है, पृथ्वी के चारों ओर वायुमण्ड़ल है, वायुमण्ड़ल के चारों ओर आकाश है, स्पेस है और स्पेस के उस पार चारों ओर परमधाम है।

Time: 35.24-39.58

Student: Someone says that the Supreme Abode (*paramdham*) exists and someone says that the Supreme Abode does not exist. What is this?

Baba: Yes, yes, *Paramdham* means that the soul should become free from the body. What is meant by *Paramdham? Paramdham* means thoughtless stage. So, if someone achieves a thoughtless stage while being in a body forever, then is there not *Paramdham* in this world itself? Is there or not? There is. So, some souls achieve *mukti* (liberation) and some souls achieve *jeevanmukti* (liberation while being in a body). Some souls can experience *mukti* as well as *jeevanmukti* while being in the body. This is why it is not that the Supreme Abode is above or below or on the right side or on the left side. Earth is round; there is atmosphere all around the Earth. There is sky, space, all around the atmosphere. And there is the Supreme Abode all around the space.

तो परमधाम को ये तो नहीं कह सकते कि ऊपर है कि नीचे है, इधर है, दायें है या बायें है। परमधाम तो पृथ्वी और वायुमण्ड़ल और स्पेस, आकाश उसके चारों ओर परमधाम है। लेकिन वहाँ पाँच तत्व नहीं है, पाँच तत्वों की पहुँच वहाँ नहीं है। और हमारे शरीर में आत्मा भी है और पाँच तत्वों का संघात शरीर भी है। आत्मा जन्म-मरण के चक्र में आते-आते पाँच तत्वों से बँध चुकी है। ये बंधन छूटता नहीं है। अभी बाप प्रैक्टिस करा रहे हैं। अपन को आत्मा समझ मुझ सदा मुक्त बाप को याद करो। ऐसे बाप को याद करो जो कभी पाँच तत्व के बंधन में नहीं आता परंतु पाँच तत्व वाले शरीर में इस समय मुकर्रर रूप से पार्ट बजाय रहा है।

So, we cannot say about the Supreme Abode that it is above or below or here or on the right side or on the left side. *Paramdham* exists all around the Earth and atmosphere and space and sky. But the five elements do not exist there; it is not accessible to the five elements. And there is a soul as well as a combination of five elements in our body. While passing through the cycle of birth and death the soul has become bound by the five elements. It is not able to become free from this bondage. Now the Father is enabling us to practice this. Consider yourself to be a soul and remember Me, the Father, who is free forever. Remember such Father who never comes into the bondage of the five elements, but is playing a part at present in an appointed form in a body made up of the five elements.

इससे ये साबित हुआ कि जैसे बाप पार्ट बजा रहा है शरीर के अंदर रहते हुए भी ऐसी प्रैक्टिस हमको भी करनी है। बाप जब चाहे शरीर में प्रवेश कर पार्ट बजाये और जब चाहे पार्ट ना बजाये। ऐसे ही हमारी आत्मा की एकाग्रता की ऐसी बन जाये कि जब चाहे तब हम शरीर में प्रवेश करें और जब चाहे शरीर से न्यारे हो जायें। उसको कहेंगे शरीर रहते-2 हमने मुक्ति और जीवनमुक्ति स्टेज को प्राप्त कर लिया। शरीर के रहते-2, जिंदा रहते-2 मुक्ति-जीवनमुक्ति का अनुभव करना है या शरीर छोड़ने के बाद? माताजी, शरीर में आत्मा रहते-2 मुक्ति और

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जीवनमुक्ति का अनुभव करना है या शरीर छोड़ने के बाद करना है? क्या कह रही है? शरीर रहते-2, तो जब शरीर रहते-2 मुक्ति जीवनमुक्ति का अनुभव करना है वो तभी अनुभव हो सकता है कि जब हम परमधाम को इस सृष्टि पर उतार ले। इसका मतलब ये नहीं कि परमधाम है नहीं। परमधाम तो अपनी जगह पर है। पाँच तत्वों के दुनिया से परे परमधाम है लेकिन हम इस दुनिया में भी परमधाम की स्टेज बना सकते हैं।

It proves that just as the Father is playing a part while being in the body, similarly, we have to practice this too. The Father can play a part by entering a body whenever He wishes and need not play a part whenever He does not wish. Similarly our soul should become so focused that we should be able to enter the body whenever we wish and become detached from the body whenever we wish. That is called achieving a stage of *mukti* and *jeevanmukti* while being in the body. Should we achieve *mukti* and *jeevanmukti* while being in the body, while being alive or after leaving the body? Mataji, should we experience *mukti* and *jeevanmukti* while being in the body or after leaving the body? What is she telling? While being in the body; so, when you wish to experience *jeevanmukti* while being in the body, it can be possible only when you bring the *Paramdham* to this world. It does not mean that *Paramdham* does not exist. *Paramdham* does exist at its place. There is a *Paramdham* beyond the world of the five elements, but we can achieve the stage of *Paramdham* in this world itself.

समयः 48.48-52.10

जिज्ञासुः एडवांस में कन्या-माता जो है ना उसको भी डूब जा, डूब जा का शूटिंग करना पड़ेगा।

बाबाः एड़वान्स बीज है या जड़ है?

जिज्ञासु- बीज है।

बाबा- बीजरूप आत्माओं का संगठन एड़वान्स कहा जाता है और जो जड़रूप में बैठे हुए हैं आधारमूर्त। वो जड़ें जैसे कमजोर होती हैं, विस्तार को पानेवाली होती हैं। विस्तार में सार नहीं होता और बीज सार होता है। तो एड़वान्स में ज्यादा ताकत है या आधारमूर्त आत्माओं में ज्यादा ताकत है? एड़वान्स बीजरूप आत्माओं में ज्यादा ताकत है। उन बीजरूप आत्माओं को जब तक साकार का सहयोग मिल रहा है, साकार में, तब तक उसी तरह नियंत्रण में रहता है जैसे ब्रह्माबाबा जब तक जीवित थे तो ब्राह्मणों का परिवार नियत्रंण में रहा और जैसे ही ब्रह्माबाबा ने शरीर छोड़ा, दीदी-दादि दादायें गद्दीनशीन होकर के बैठ गये और बाद में फिर एड़वान्स ज्ञान निकल पड़ा। भगवान बाप प्रत्यक्ष होता है जिनकी बुद्धि में, तो फिर वो डूबी जा, डूबी जा कर देते हैं।

Time: 48.48-52.10

Student: The virgins and mothers of the advance party will also have to perform the shooting of *'doob ja, doob ja'* (drown, drown).

Baba: Is advance (party) seed or root?

Student: It is a seed.

Baba: A gathering of seed-form souls is called Advance (party) and those who are sitting in the form of roots are the *aadhaarmoort* (supporting souls). Those roots are weak; they undergo expansion. Expanse does not have essence and seed is essence. Does the Advance (party) have more power or do the supporting souls have more power? The advance seed-form souls have more power. Until those seed-form souls are getting the help of the corporeal, in the corporeal

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

(form) they remain under control. For example, as long as Brahma Baba was alive, Brahmin family was under control and as soon as Brahma Baba left his body, Didis, Dadis and Dadas ascended the throne and later on the advance knowledge emerged. The people in whose intellect God the Father is revealed, bring their drowning.

ऐसे यहाँ एड़वान्स पार्टी में भी होगा। जो दूसरे धर्मों की आत्मायें हैं, जिन्होंने पूरा-2 भगवान बाप को नहीं पहचाना, घड़ी-2 संशय [में] आते रहते हैं, वो पहले तो देवियों की खूब पूजा करेंगे और अंत में जब भगवान बाप फिर प्रत्यक्ष होगा और उनकी बुद्धि में बैठेगा कि सच्चाई का असली स्वरूप क्या है। उन देवियों की फिर डूबी जा, डूबी जा हो जायेगी। क्यों? क्योंकि ईश्वर, ये रूप देवी का नहीं है, देवियों का नहीं है। ईश्वर जो रूप है वो कोई पुरूष तनधारी का है। ईश माना शासन करना, वर माना श्रेष्ठ। जो श्रेष्ठ ते श्रेष्ठ शासन करनेवाला है, वो ईश्वर है और श्रेष्ठ ते श्रेष्ठ शासन प्यार का होता है। कोई प्रकार की जोर-जबरदस्ती से जो शासन किया जाता है वो वर अर्थात् श्रेष्ठ शासन नहीं कहा जा सकता। भगवान ही इस सृष्टि पर आकर के श्रेष्ठ शासन करता है इसलिए उसको ईश्वर कहा जाता है।

A similar thing will happen here in the advance party as well. The souls belonging to the other religions, who did not recognize the Father completely, those who keep losing faith every moment will initially worship the *devis* (female deities) a lot and in the end when God the Father is revealed once again, and when the real form of truth sits in their intellect, then those *devis* will be drowned. Why? It is because God is not in the form of a *devi* or *devis*. God (*Ishwar*) is in the form of a male. *Ish* means to rule and *var* means righteous. The one who rules in the most righteous way is *Ishwar* and the most righteous rule is of love. Any governance based on any kind of force cannot be called 'var', i.e. righteous rule. Only God comes in this world and rules in a righteous way. This is why He is called *Ishwar*. (concluded)

……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info